U.G. 4th Semester Examination - 2022

SANSKRIT

[PROGRAM]

Course Code : BSNSSERT 404

Course Title : Tradition and History of Indian Dramaturgy

Full Marks : 50 Time : 2 Hours

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Answer all the questions.

Each of the following 25 questions has four alternative answer. Choose the correct answer: 2×25=50

নিম্নের পঁচিশটি প্রশ্নের প্রত্যেকটিতে চারটি করে বিকল্প উত্তর দেওয়া আছে তার মধ্যে সঠিক উত্তরটি নির্বাচন কর ঃ

1. साहित्यदर्पणकार: आचार्य: विश्वनाथ: _____शतकस्य आलङ्कारिक:।

সাহিত্যদর্পণকার আচার্য বিশ্বনাথ _____শতকের আলঙ্কারিক।

ক) एकादशशतकस्य
একাদশ শতকের

খ) द्वादशशतकस्य
দ্বাদশ শতকের

গ) त्रयोदशशतकस्य
ত্রয়োদশ শতকের

ঘ) चतुर्दशशतकस्य
চতুর্দশ শতকের

2. अभिनया: कतिप्रकारा:?

অভিনয় কয় প্রকার?

ক) ०३
०৩

খ) ०४
০৪

গ) ०५
০৫

ঘ) ०६
০৬

3. प्रकरणस्यस्य उदाहरणमस्ति—

প্রকরণের উদাহরণ হল—

ক) प्रतिमा
প্রতিমা

খ) मृच्छकटिकम्
মৃচ্ছকটিক

গ) रत्नावली
রত্নাবলী

ঘ) विक्रमोर्वशीयम्
বিক্রমোর্বশীয়

4. अर्थप्रकृतय: कतिप्रकारा:?

অর্থপ্রকৃতি কয় প্রকার?

ক) पञ्च
পাঁচ

খ) षट्
ছয়

গ) सप्त
সাত

ঘ) चत्वार:
চার

5. रूपकेषु इदं अस्ति—

দশরূপকের মধ্যে এটি আছে—

क) सट्टकम् ख) प्रकारणी

সট্টক প্রকরণী

ग) डिम: घ) विलासिका

ডিম বিলাসিকা

6. 'नाट्यशास्त्रम्'—इति ग्रन्थ: कस्य कृतिरस्ति?

'নাট্যশাস্ত্রম্'—এই গ্রন্থটি কার রচনা?

क) भामहस्य ख) विश्वनाथस्य

ভামহের বিশ্বনাথের

ग) धनञ्जयस्य घ) भरतमुने:

ধনঞ্জয়ের ভরতমুনির

7. नाटके तृतीय-कार्यावस्था का?

নাটকে তৃতীয় কার্যাবস্থা কোন্‌টি?

क) नियताप्ति: ख) प्राप्त्याशा

নিয়তাপ্তি প্রাপ্ত্যাশা

ग) फलागम: घ) प्रयत्न:

ফলাগম প্রযত্ন

8. 'वाक्यं रसात्मकं______' शून्यस्थानं पूरयत।

'বাক্যং রসাত্মকং _____' শূন্যস্থান পূরণ কর।

क) काव्यम् ख) शास्त्रम्

কাব্য শাস্ত্র

ग) काव्यशास्त्रम् घ) किमपि न

কাব্যশাস্ত্র কোনটিই নয়

9. दृश्यकाव्यसामान्यस्य नामान्तरमस्ति—

দৃশ্যকাব্যের অপর নাম হল—

क) प्रहसनम् ख) उपरूपकम्

প্রহসন উপরূপক

ग) रूपकम् घ) किमपि नास्ति

রূপক কোনটিই নয়

10. महाभारते को रस: अङ्गीरस:?

মহাভারতে কোন্ রসটি অঙ্গীরস?

क) शृङ्गार: ख) करुण:

শৃঙ্গার করুণ

ग) वीर: घ) हास्य:

বীর হাস্য

11. स्थायिभावा: कतिप्रकारा:?

স্থায়িভাব কত প্রকার?

ক) ০৩ খ) ০৮

০৩ ০৮

গ) ০৯ ঘ) ১০

০৯ ১০

12. रसेषु परिगण्यते—

রসের মধ্যে পরিগণিত হয়—

ক) रति: খ) शोक:

রতি শোক

গ) भयम् ঘ) भयानक:

ভয় ভয়ানক

13. कस्यां सन्धौ मुख्यफलस्य मुहु: ह्रासान्वेषणवान् सद्भेदो भवति?

কোন্ সন্ধিতে মুখ্যফলের বার বার হ্রাসান্বেষণযুক্ত উদ্ভেদ হয়?

ক) निर्वहणसन्धौ খ) गर्भसन्धौ

নির্বহণসন্ধিতে গর্ভসন্ধিতে

গ) विमर्षसन्धौ ঘ) कुत्रापि न

বিমর্ষসন্ধিতে কোথাও নয়

14. पताकानायकस्य उदाहरणम्—

পতাকা নায়কের উদাহরণ—

ক) दुष्यन्त: খ) शाकुन्तले विदूषक:

দুষ্যন্তঃ শকুন্তলে বিদূষক

গ) शाकुन्तले शारद्वत: ঘ) कोऽपि न

শাকুন্তলে শারদ্বত কেউই নয়

15. को भवति शृङ्गाररसस्य स्थायिभाव:?

কোন্‌টি শৃঙ্গার রসের স্থায়িভাব?

ক) जुगुप्सा খ) रति:

জুগুপ্সা রতি

গ) शोक: ঘ) विस्मय:

শোক বিস্ময়

16. अर्थोपक्षेपकस्य भेदोऽस्ति—

অর্থোপক্ষেপকের ভেদ হল—

ক) चूलिका খ) फलागम:

চূলিকা ফলাগম

গ) विमर्ष: ঘ) बिन्दु:

বিমর্ষ বিন্দু

17. प्रकरणं किमस्ति?

প্রকরণ কি?

क) नायिका

নায়িকা

ख) रस:

রস

ग) उपरूपकम्

উপরূপক

घ) रूपकम्

রূপক

18. नाटके नायिका: कतिप्रकारा:?

নাটকে নায়িকা কত প্রকার?

क) ०३

০৩

ख) ०२

০২

ग) ०१

০১

घ) ०४

০৪

19. ''विभावानुभावव्यभिचारीसंयोगाद्______निष्पत्ति:''—शून्यस्थानं पूरयत।

''বিভাবানুভাবব্যভিচারীসংযোগাদ্ ______নিষ্পত্তিঃ''
—শূন্যস্থানটি পূরণ কর।

क) अलङ्कार

অলঙ্কার

ख) रस

রস

ग) गुण

গুণ

घ) ध्वनि

ধ্বনি

20. 'रत्नावली' उदाहरणं भवति—

'রত্নাবলী' উদাহরণ হল—

क) नाटिकाया:

নাটিকার

ख) प्रकरणस्य

প্রকরণের

ग) नाटकस्य

নাটকের

घ) व्यायोगस्य

ব্যায়োগের

21. भरतमुनिना कति रसा: स्वीकृता:?

ভরতমুনির দ্বারা কতগুলি রস স্বীকৃত হয়েছে?

क) सप्त

সাতটি

ख) अष्ट

আটটি

ग) नव

নয়টি

घ) दश

দশটি

22. द्वितीय-नाट्यसन्धे: नाम किम्?

দ্বিতীয় নাট্যসন্ধির নাম কি?

क) गर्भ:

গর্ভ

ख) प्रतिमुखम्

প্রতিমুখ

ग) विमर्ष:

বিমর্ষ

घ) निर्वहणम्

নির্বহন

23. 'अपायाभावत: प्राप्ति ______तु निश्चिता'। शून्यस्थानं पूरयत—

'অপায়াভাবতঃ প্রাপ্তিঃ ______ তু নিশ্চিতা'।—শূন্যস্থান পূরণ কর।

क) आरम्भ:
আরম্ভ

ख) प्रयत्न:
প্রযত্ন

ग) नियताप्ति:
নিয়তাপ্তি

घ) फलागम:
ফলাগম

24. गोपुच्छआग्रसमाग्रं बन्धनं कस्य?

গোপুচ্ছাগ্রের মত বন্ধন কার?

क) नाटिकाया:
নাটিকার

ख) प्रकरणस्य
প্রকরণের

ग) नाटकस्य
নাটকের

घ) समवकारस्य
সমবকারের

25. नायिकाभेदेषु परिगण्यते—

নায়িকাভেদের মধ্যে পরিগণিত হয়—

क) धीरोदात्त:
ধীরোদাত্ত

ख) परकीया
পরকীয়া

ग) धीरप्रशान्त:
ধীরপ্রশান্ত

घ) धीरोद्धत:
ধীরোদ্ধত

———————